

दर्शनशास्त्र विभाग, अध्ययन मंडल

Date.....

सत्र - 2025 - 2026

दिनांक - 07/07/25 - कार्यालय प्रचारि के पत्र 1835- के निर्देशानुसार विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र डॉ. निवेदिता त्रिपाठी लैम्बरे की अध्यक्षता में बी. ए. ऑनर्स (संशोधित नवीन शिक्षा नीति 2025 से लागू तथा 2020 के अनुसार) एम. ए. दर्शनशास्त्र (CBCS पाठ्यक्रम) के पाठ्यक्रम निर्धारण हेतु अध्ययन मंडल का बैठक दिनांक 18/07/25 को ऑनलाइन / ऑफलाइन माध्यम से दर्शनशास्त्र विभाग में दोपहर 1:00 बजे से आयोजित की गई। उक्त बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे -

1. डॉ. निवेदिता त्रिपाठी लैम्बरे [H.O.D.]
2. डॉ. श्री कान्त मिश्रा [अ. प्र. सिं. वि. वि. सेवा]
3. डॉ. लक्ष्मी नारायण जोशी [उ. सं. वि. वि. हरिद्वार] online
4. डॉ. अरूण साव [ह. सिं. गौर वि. वि. सागर] online
5. डॉ. मीना परस्ते (अतिथि विद्वान)
6. डॉ. आशुतोष कुं. सिंह (अतिथि विद्वान)
7. डॉ. सोनी सिंह बघेल (जनसंगादारी)
8. प्रो. संस्कार पांडेय (स्ववित्तिय)

उक्त बैठक में निम्नानुसार निर्णय लिए गए हैं -

1. म. प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के आदेश क्र. 661/81 / सी. सी. / 24 / अड़तास दिनांक 10/09/2024 के परिपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति

Date.....

2020 (संशोधित 2024) के परिपालन में अध्यादेश क्र. 14(1) के अनुसार बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मेजर (प्रथम सेमेस्टर में I तथा द्वितीय सेमेस्टर में II व III) माइनर मल्टी डिסיपिनरी, एस.ई.सी. एवं प्रोजेक्ट तथा मूल्यपरख पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम (म.प्र. शासन उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित मेजर, माइनर) अनुशंसित किये जाते हैं ।

2. म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग जोषाल के आदेश क्र. 849/138/CC/21/38 दिनांक 3/11/2021 के परिपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने के लिए अध्यादेश क्र. 14-सी के अनुसार महाविद्यालय में बी.ए. III सेम. से VIII तक के पाठ्यक्रम विभिन्न प्रश्नपत्रों के साथ निम्नानुसार अनुशंसित किये जाते हैं -

3. स्नातक स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम (संशोधित) पृष्ठांकित संलग्न-चार्ट के अनुसार सेमेस्टरों में संचालित NOMENCLATURE एवं क्रेडिट मान के आधार पर संचालित किए जायेंगे जिन्हें अध्ययन मंडल द्वारा ग्राह्य किया गया है ।

4. पृष्ठांकित संलग्न-चार्ट 13.11 टेबिल नं. 02 के अनुसार III से. मे. से VIII तक संचालित पाठ्यक्रमों के NOMENCLATURE एवं क्रेडिट दिया गया है जिस अध्ययन मंडल द्वारा ग्राह्य किया गया है ।

Date.....

5. अकादमिक महोदयों की अध्यक्षता में पाठ्यक्रम निर्माण हेतु विभागाध्यक्षों की अंतरिम बैठक 07/07/25 में किरा गये निर्णय के अनुसार यू. जी. सी. के UOCP तथा CBCS आधारित पाठ्यक्रम को मानवर मंदर, गुरुनर, मल्टीडिसिप्लिनरी, रिकल इनवोल्वमेंट कोर्स डी. एम. ई. ग्लोब-प्रविधि मुख्य पररव तथा तथा लक्ष्यशोध के साथ फिलड प्रोजेक्ट (Bachelor Degree with Honours in main Faculty) के पाठ्यक्रम तैयार किरा गरा है जो स्वीकृति हेतु अकादमिक परिषद को अनुशंसित है।

6. अद्यादेश 14A(1) की कंडिका 17.3 के परिपालन में मैदान्तिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंकों का विभाजन निम्नानुसार है

मैदान्तिक	-	70 अंक
आन्तरिक	-	30 अंक
कुल	-	100 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा 02 लिखित परीक्षा तथा एक असाइनमेंट 05/05/25 अंकों का होगा। जिसमें से कुल 50 विद्यार्थी के अंकों मान्य किरा जाएंगे। इन अकार आन्तरिक मूल्यांकन 30+ मैदान्तिक 70 अंकों का परीक्षा सम्पन्न होगी।

7. ग्रेड. III से VIII तक अद्यादेश 14A की कंडिका 14.2 के परिपालन में मैदान्तिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंकों का

विभाजन निम्नानुसार है -

सैद्धान्तिक 60 अंक, आन्तरिक मूल्यांकन 40 अंक के साथ परीक्षा सम्पन्न होगी। जिसमें आन्तरिक मूल्यांकन लिखित परीक्षा 02 मासिक टेस्ट तथा असाईमेंट 20-20 अंको का होगा। फेब्रुवारी दो विद्यार्थियों के अंक मान्य किए जाएंगे। परीक्षा का स्वरूप आन्तरिक मूल्यांकन 40 + सैद्धान्तिक 60 अंको के साथ कुल 100 अंको का होगा।

8. म. प्र. शासन उच्च शिक्षा के अध्यादेश 14 A एवं 14 B के अनुसार ही स्नातक पाठ्यक्रम का संचालन किया जाएगा।

9. CBCS आधारित सम. प्र. दर्शनशास्त्र के पाठ्यक्रम I, II, III, IV सेमेस्टर का निर्माण UGC के आधार पर 02 वर्षों का निर्मित किया गया है जो भारतीय ज्ञान परम्परा एवं विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के द्वारा संचालित UGC मापदण्डों पर आधारित है जिसे अध्ययन मंडल मान्य करता है।

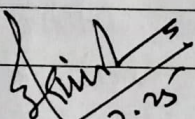
10. म. प्र. शासन के निर्देशानुसार नवीन शिक्षा नीति 2020 के परिपालन में एक वर्ष के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को महाविद्यालय में संचालित करने के लिए अध्ययन मंडल का सुझाव है कि, जब म. प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराये जाने पर उन्हें महाविद्यालय का

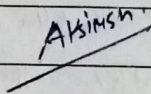
Date.....

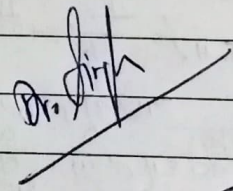
दर्शनशास्त्र विभाग अंगीकार कर लेगा। तब तक
प्रारम्भिक दो वर्ष के पाठ्यक्रम में उपम
सुमेस्तर का परिचयात्मक पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र I
से IV तक विद्यार्थियों को पढ़ाया जायेगा।

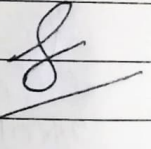
11. म. प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यदि कोई
परिवर्तन किया जाता है तो वह उसी अनुरूप
ग्राह्य करने का निर्णय लिया जाता है।

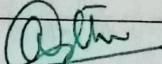
12. दर्शनशास्त्र विभाग में अध्ययन मंडल की बैठक
डा. निवेदिता त्रिपाठी, लेम्बर के आचार्य व
अन्यवाद व्यापन के साथ सफलतापूर्वक
सम्पन्न हुई।


18.07.25


AKINSH


Dr. Nivedita


8



प्राचार्य
शांटी आर. एस. महावि.
रीवा (म.प्र.)

